Regarding issues pertaining to Toll Plaza

श्री चंदन चौहान (बिजनौर): अध्यक्ष महोदय, आपने मुझे लोक महत्व के बहुत महत्वपूर्ण मुद्दे पर अपनी बात रखने का मौका दिया, उसके लिए मैं आपको धन्यवाद देता हूँ ।

मान्यवर, मैं आपके माध्यम से भारतीय आम व्यक्ति की आम जीवन में आने वाली रोज की समस्या को सदन के सामने रखना चाहता हूँ । टोल बूथ पर लगातार हो रहे दुर्व्यवहार के कारण, जहां सरकार चाहती है कि हाईवेज़ बेहतर हों, सड़कें बेहतर हों और उन सड़कों पर लोगों की सुगम यात्रा हो, वहीं टोल बूथ के कर्मचारी लगातार दुर्व्यवहार करके तथा अपने गलत आचरण और व्यवहार के कारण सरकार की छवि को खराब करने का काम कर रहे हैं ।

मान्यवर, इन टोल बूथ्स पर लगातार महिलाओं, आर्मी ऑफिसर्स, किसान और मेडिकल इमरजेंसीज़ को दुर्व्यवहार का सामना करना पड़ता है । टोल बूथ्स पर मनमाने तरीके से दोगुना टोल लिया जाता है । ऐसे स्टाफ को रखा जाता है, जो अपने परिवार और परिवार के मुखिया के साथ भी लगातार दुर्व्यवहार करते हैं । हम जनप्रतिनिधि होने के कारण 200 से 250 किलोमीटर रोजाना आते-जाते हैं, लेकिन कई बार अगर सुरक्षाकर्मी साथ न हो तो वे संसद के पास और विधान सभा के पास को भी मानने से इनकार कर देते हैं, जो बेहद निंदनीय है ।

इस समस्या का संज्ञान लिया जाना चाहिए । इससे एक बड़ा असंतोष भारत की जनता में उत्पन्न हो रहा है, जो भविष्य में सड़कों के क्षेत्र में की जा रही मेहनत को व्यर्थ कर रहा है । इसलिए समय-समय पर इन टोल बूथ्स के स्टाफ की काउंसलिंग होनी चाहिए । हेल्पलाइन जारी होनी चाहिए । मुझे उम्मीद है कि आपका संरक्षण भारत की प्रत्येक जनता के व्यक्ति को और इस सदन को मिलेगा ।